

← सिगमंड फ्रायड

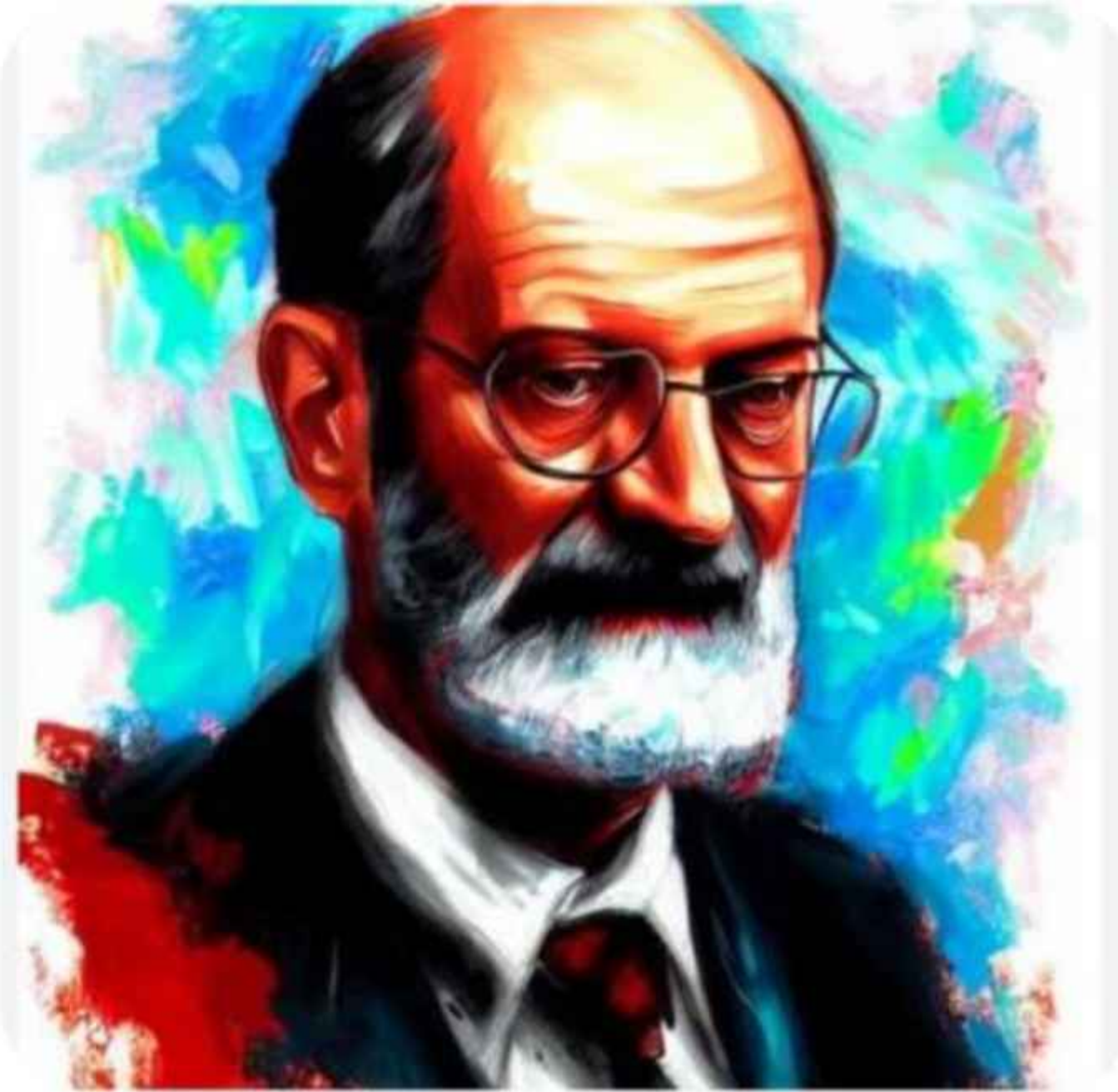
सिगमंड फ्रायड

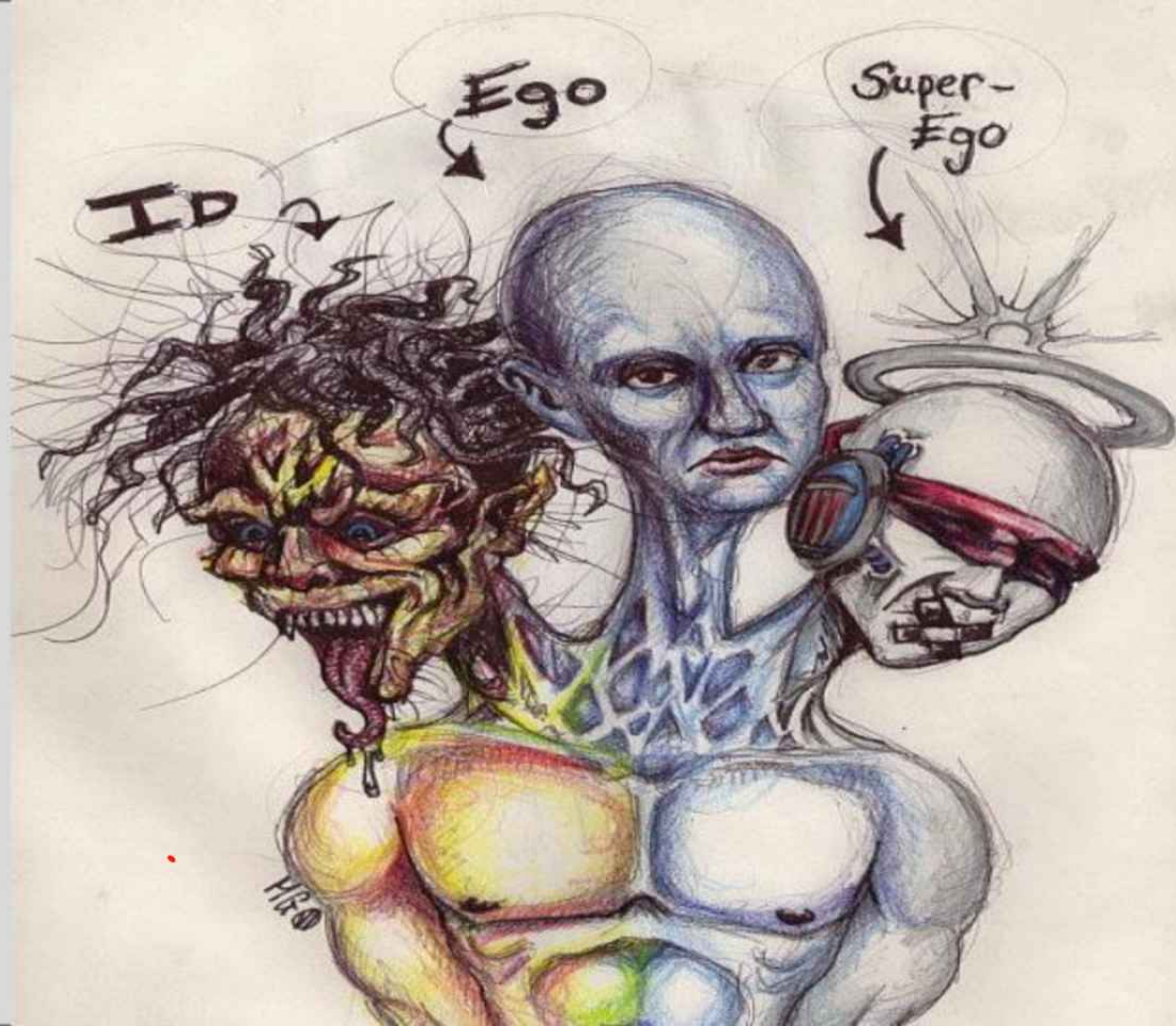
(1856-1939)

एक ऑस्ट्रियाई न्यूरोलॉजिस्ट और
मनोविश्लेषण के संस्थापक थे।

Founder

हिंदी
तंत्रिका तंत्र





Books

- (स्वप्नों का व्याख्या)/The Interpretation of Dreams
- (रोज़मर्रा की मानोविकृतियाँ)/The Psychopathology of Everyday Life
- सेक्स्यूअलिटी की सिद्धांत पर तीन निबंध)/Three Essays on the Theory of Sexuality
- (आनंद सिद्धांत के पार)/Beyond the Pleasure Principle
- (टोटेम और टैबू)/Totem and Taboo
- (मोसेस और एकेश्वरीयवाद)/Moses and Monotheism

PsychoAnalysis मनोविश्लेषण

सिगमंड फ्रायड ✓

↓
Sex drives
कामुकता ✓

मनोगत्यात्मक

अवचेतन
Unconscious

कार्ल जंग ✓

सुलिवान ✓

अल्फ्रेड एडलर ✓

एरिकसन ✓

कैरन हार्नी

done

पेंतने अवचेतन

सामाज

सिगमंड फ्रायड ने मानव व्यवहार को समझाने के लिए **ड्राइव थ्योरी** (Drive Theory) विकसित की, जिसमें उन्होंने दो मुख्य प्रेरक शक्तियों या ड्राइव्स (Drives) का उल्लेख किया: **एरोस (Eros)** और **थानाटोस (Thanatos)**।

एरोस (Eros): जीवन ड्राइव (Life Drive)

एरोस को "**जीवन शक्ति**" या "**जीवन ड्राइव**" कहा जाता है।

यह ड्राइव **जीवन को बनाए रखने**, **आत्मरक्षा**, **प्रजनन**, और **सुखद अनुभव प्राप्त करने** से जुड़ी है।

इसका उद्देश्य व्यक्ति और प्रजातियों की निरंतरता बनाए रखना है।

फ्रायड ने कहा कि यह ड्राइव **प्यार**, यौन इच्छाओं, सामाजिक संबंधों, और रचनात्मकता से जुड़ी होती है।

उद्देश्य: ऊर्जा (लिबिडो) का उपयोग करके जीवन को बचाए रखना और विकसित करना।

उदाहरण:

✓ खाना खाना।

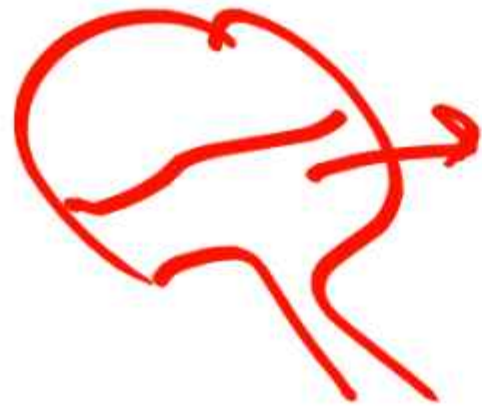
✓ सामाजिक और भावनात्मक संबंध बनाना।

थानाटोस (Thanatos): मृत्यु ड्राइव (Death Drive)

थानाटोस को "मृत्यु ड्राइव" या "विनाश की प्रवृत्ति" कहा जाता है।

फ्रायड ने माना कि यह ड्राइव आत्म-विनाश, आक्रामकता, और विनाशकारी प्रवृत्तियों को दर्शाती है।

यह ड्राइव मानव के अचेतन मन में छिपी होती है और व्यक्ति को मौत या आराम की स्थिति की ओर खींचती है।



Unconscious /
नकारात्मक

सिगमंड फ्रायड ने मन की तुलना आइसबर्ग (Iceberg) से की है। इस तुलना के माध्यम से उन्होंने यह समझाने की कोशिश की कि मानव मन का एक बड़ा हिस्सा अचेतन (Unconscious) होता है,

① सचेत मन (Conscious Mind): चेतन

यह आइसबर्ग का ऊपरी हिस्सा है, जो पानी के ऊपर होता है।

यह वह हिस्सा है, जिसमें हम अपनी जागरूकता के माध्यम से विचार करते हैं और निर्णय लेते हैं। इसमें हमारी वर्तमान सोच, भावनाएँ, और इच्छाएँ शामिल होती हैं।

उदाहरण: आप अभी जो पढ़ रहे हैं, वह आपकी सचेत जागरूकता का हिस्सा है।

② पूर्वचेतन मन (Subconscious/Preconscious Mind): ✓

यह वह भाग है जो पानी की सतह के ठीक नीचे होता है।

इसमें वे यादें और जानकारीयाँ शामिल होती हैं, जो हम चाहें तो आसानी से अपनी जागरूकता में ला सकते हैं।

उदाहरण: किसी घटना का नाम याद करना जो अचानक आपके दिमाग में आ जाता है।



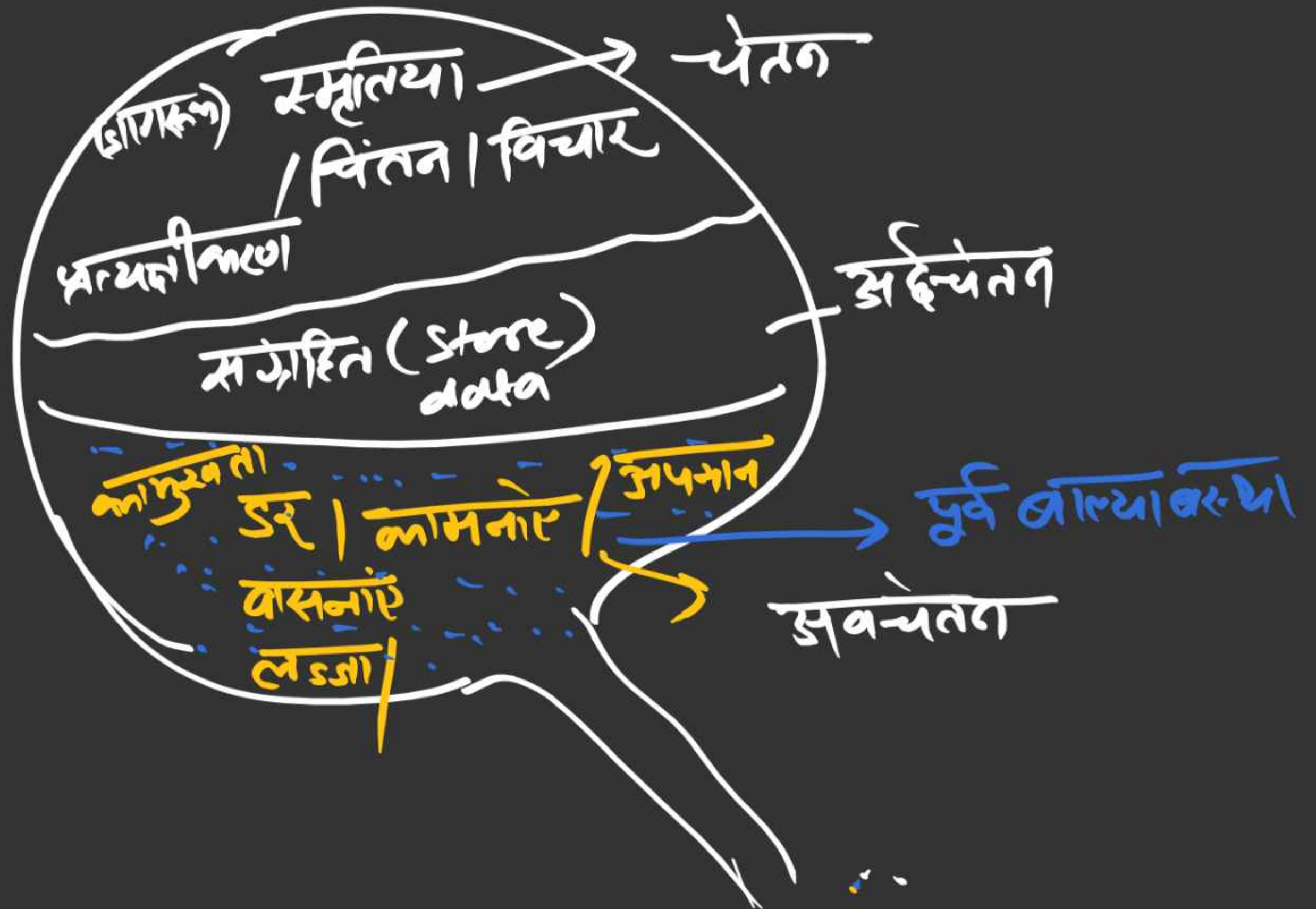
③ अचेतन मन (Unconscious Mind):

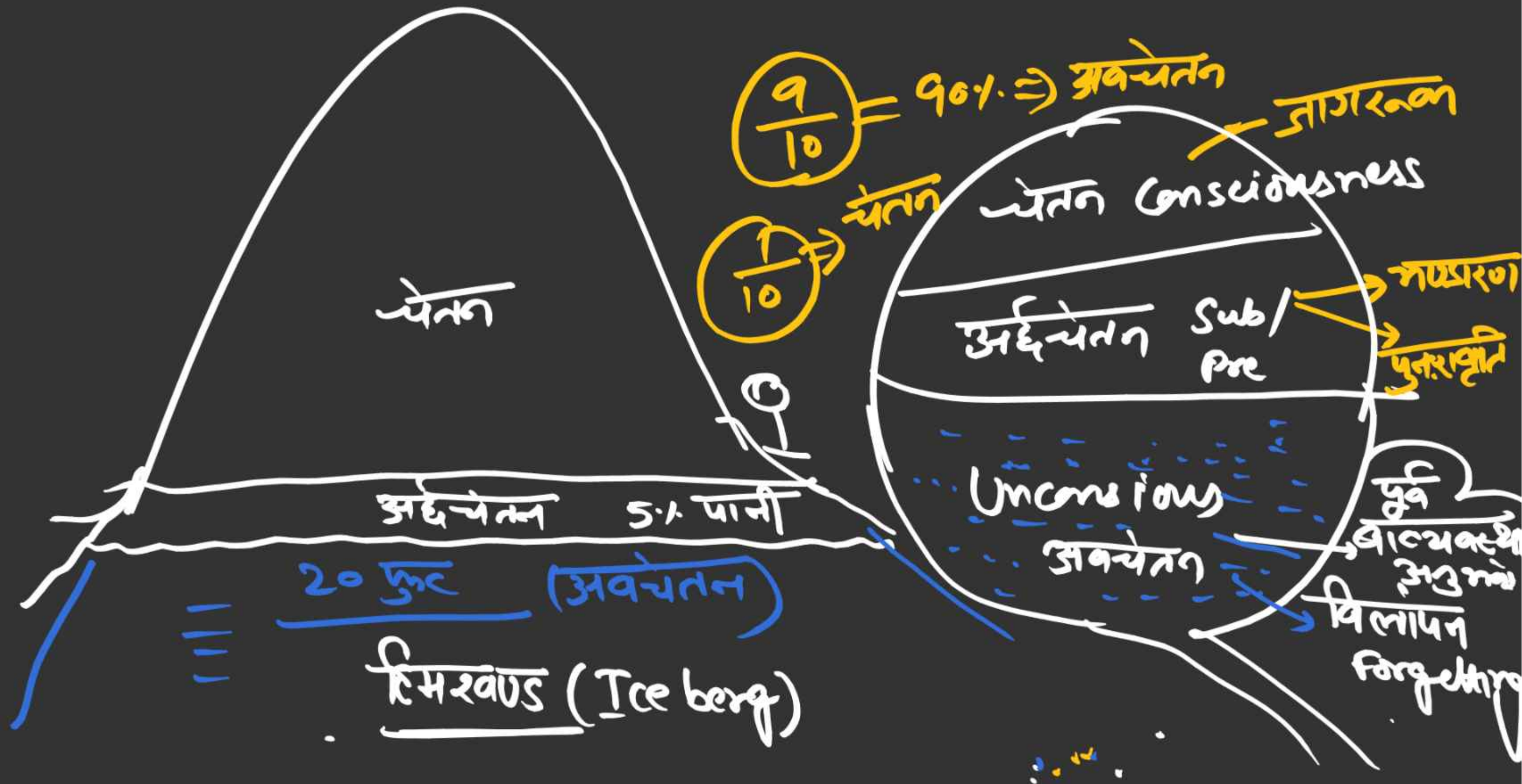
यह आइसबर्ग का सबसे बड़ा और गहरा हिस्सा है, जो पूरी तरह से पानी के नीचे छिपा होता है।

इसमें हमारी दबाई हुई इच्छाएँ, डर, यादें, और भावनाएँ शामिल होती हैं।

यह हमारे व्यवहार और निर्णयों को गहराई से प्रभावित करता है, लेकिन हमें इसका एहसास नहीं होता।

उदाहरण: बचपन के अनुभव, जो हमारे वर्तमान व्यवहार को प्रभावित करते हैं।





व्यक्तित्व की संरचना



व्यक्तित्व की संरचना (Structure of Personality) को समझाने के लिए सिगमंड फ्रायड ने अपनी मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के तहत इसे तीन मुख्य घटकों में विभाजित किया: Id (इड), Ego (इगो), और Superego (सुपरइगो)।

व्यक्तित्व की संरचना

इड (Id): → इदन → जिद ✓

प्रकृति: यह व्यक्तित्व का सबसे मूल और प्रारंभिक भाग है।
विशेषताएँ:

अपेक्षा (विशेषताएँ)

यह जन्म से ही मौजूद होता है। ✓

यह हमारी जैविक इच्छाओं और मूल प्रवृत्तियों (जैसे भूख, प्यास, यौन इच्छाएँ) का स्रोत है।

इसका उद्देश्य "तत्काल संतुष्टि" (Immediate Gratification) प्राप्त करना है।

यह केवल सुख सिद्धांत (Pleasure Principle) पर काम करता है।

यह तर्क और नैतिकता की परवाह नहीं करता।

उदाहरण:

एक बच्चा जो भूखा है और तुरंत खाना चाहता है, बिना यह सोचे कि यह संभव है या नहीं।

अनिच्छा

व्यक्तित्व की संरचना

①

इगो (Ego): अंतः

प्रकृति: यह व्यक्तित्व का यथार्थवादी और तर्कसंगत हिस्सा है।
विशेषताएँ:

यह इड और सुपरइगो के बीच संतुलन बनाने का काम करता है। ✓

यह "वास्तविकता सिद्धांत" (Reality Principle) पर आधारित होता है।

यह यह सुनिश्चित करता है कि इच्छाओं को पूरा करने के लिए उचित और सामाजिक रूप से स्वीकृत तरीका अपनाया जाए।

उदाहरण:

यदि किसी व्यक्ति को भूख लगी है, तो इगो उसे बताता है कि भोजन के लिए इंतजार करना चाहिए और सही समय व स्थान पर खाना चाहिए।



व्यक्तित्व की संरचना

जरा संक्षेप

सुपरइगो (Superego).

प्रकृति: यह व्यक्तित्व का नैतिक और नैतिकता से जुड़ा हुआ हिस्सा है।

विशेषताएँ:

यह समाज और माता-पिता द्वारा सिखाई गई नैतिकता और मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

यह सही और गलत के बीच अंतर बताता है।

यह व्यक्ति के लिए आत्म-संयम और आदर्शवादी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है।

इसमें दो भाग होते हैं:

अंतरात्मा (Conscience): जो हमें गलत कार्यों के लिए दोषी महसूस कराता है।

आदर्श आत्म (Ideal Self): जो हमें प्रेरित करता है कि हमें कैसा होना चाहिए।

उदाहरण:

यदि किसी व्यक्ति को भूख लगी है और वह भोजन चुराने के बारे में सोचता है, तो सुपरइगो उसे बताता है कि चोरी करना गलत है।

मनोवैज्ञानिक विकास के पाँच चरणों

(Psychosexual Stages of Development)

यह सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि बचपन में व्यक्ति की कामुक ऊर्जा (libido) का अलग-अलग शरीर के हिस्सों पर ध्यान केंद्रित होता है। इन चरणों के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास होता है। यदि किसी चरण में समस्याएँ होती हैं, तो वह व्यक्ति के व्यक्तित्व और व्यवहार पर स्थायी प्रभाव डाल सकती हैं।

1. मौखिक चरण (Oral Stage)

आयु: जन्म से 1 वर्ष तक, मुँह (Mouth)

इस चरण में बच्चे की कामुक ऊर्जा मुँह के माध्यम से संतुष्टि प्राप्त करती है।

बच्चे को चूसने, निगलने, और मुँह के माध्यम से चीजों का अनुभव करने में आनंद मिलता है।

मुख्य गतिविधियाँ: स्तनपान, अंगूठा चूसना।

यदि समस्याएँ हों:

अधिक संतुष्टि या कम संतुष्टि से "मौखिक व्यक्तित्व" विकसित हो सकता है, जैसे कि धूम्रपान, अधिक खाने, या नाखून चबाने की प्रवृत्ति।

व्यक्तित्व पर प्रभाव:

व्यक्ति अत्यधिक निर्भर (dependent) या आक्रामक (aggressive) हो सकता है।

2. गुदा चरण (Anal Stage)

आयु: 1 से 3 वर्ष तक, गुदा (Anus)

इस चरण में बच्चे की कामुक ऊर्जा मल त्याग (toilet training) से संबंधित होती है।

बच्चा मल त्याग और इसे नियंत्रित करने से जुड़े अनुभवों का आनंद लेता है।

मुख्य गतिविधियाँ: टॉयलेट ट्रेनिंग।

व्यक्तित्व पर प्रभाव: स्वच्छता और अनुशासन से संबंधित गुण।

Sex

3. लैंगिक चरण (Phallic Stage)

आयु: 3 से 6 वर्ष तक

फोकस: जननांग (Genitals)

विशेषताएँ:

इस चरण में बच्चा अपने जननांगों के बारे में जागरूक होने लगता है।

लड़कों में ओडीपस कॉम्प्लेक्स (Oedipus Complex) और लड़कियों में इलेक्ट्रा कॉम्प्लेक्स (Electra Complex) विकसित हो सकता है।

लड़के अपनी माँ के प्रति आकर्षण और पिता के प्रति प्रतिस्पर्धा महसूस करते हैं।

लड़कियाँ अपने पिता के प्रति आकर्षण और माँ के प्रति प्रतिस्पर्धा महसूस करती हैं।

यदि समस्याएँ हों:

इस चरण में समाधान न होने से व्यक्ति में लैंगिक भ्रम या असामान्य लैंगिक व्यवहार हो सकता है।

व्यक्तित्व पर प्रभाव:

लैंगिक पहचान और आत्मविश्वास।

Oedipus
(Electra)

4. गुप्त चरण (Latency Stage)

आयु: 6 से 12 वर्ष तक, कोई विशिष्ट शारीरिक फोकस नहीं

इस चरण में बच्चे की कामुक ऊर्जा दब जाती है और सामाजिक और बौद्धिक विकास पर ध्यान केंद्रित होता है।

बच्चे अपने सहपाठियों और दोस्तों के साथ संबंध विकसित करते हैं।

मुख्य गतिविधियाँ:

खेल-कूद, शिक्षा, और कौशल सीखना।

यदि समस्याएँ हों:

सामाजिक कौशल और आत्म-विश्वास के विकास में बाधा आ सकती है।

व्यक्तित्व पर प्रभाव:

सामाजिक संबंध और आत्म-सम्मान।

5. जननांग चरण (Genital Stage)

आयु: 12 वर्ष से वयस्कता तक, जननांग (Genitals)

इस चरण में व्यक्ति में यौन और भावनात्मक परिपक्वता आती है।

व्यक्ति अपने साथी के साथ स्वस्थ संबंध बनाने में सक्षम होता है।

मुख्य गतिविधियाँ:

प्यार और यौन संबंध विकसित करना।

व्यक्तित्व पर प्रभाव:

परिपक्वता और स्वस्थ संबंध।